# बंद होता गर्ल्स कॉलेज : सिर्फ 76 छात्रा और 1 स्थायी प्रोफेसर

## छात्राओं की संख्या के साथ-साथ तेजी से घट रही स्टाफ की संख्या

**शाजापुर, 23 अक्टूबर. सरकार ने बेटियों को उच्च शिक्षा देने के लिए 1987 में किला परिसर में शासकीय कन्या महाविद्यालय की स्थापना की. सिर्फ कला संकाय के साथ शुरू हुआ यह कॉलेज शुरुआत से ही अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करता आ रहा है. अब स्थिति यह है कि यह कॉलेज पर्याप्त एडमिशन नहीं होने के कारण बंद होने की कगार पर है. जिम्मेदारों ने इसकी औपचारिक घोषणा भी कर दी है. इतना ही नहीं यहां छात्राओं की संख्या के साथ-साथ स्टाफ की संख्या भी तेजी से घट रही है, जिससे कॉलेज के बंद होने की आशंका और प्रबल हो गई हैं.**

शासन ने 1987 में 1 प्राचार्य, 6 सहायक प्राध्यापक, 1 ग्रंथपाल,

1 क्रीड़ा अधिकारी, 1 मुख्य लिपिक, 1 अकाउंटेंट, 1 सहायक ग्रेड - 2, 2 सहायक ग्रेड - 3, 1 प्रयोगशाला तकनीशियन, 1 प्रयोगशाला परिचारक, 1 बुक लिफ्टर, 2 भृत्य, 1 स्वीपर और 1 चौकीदार के पद स्वीकृत करते हुए शासकीय कन्या महाविद्यालय शुरू किया था. शुरुआत में छात्राओं की संख्या सम्मानजनक रहीं. कॉलेज प्रबंधन ने छात्राओं की मांग पर यहां स्ववित्त से एमकॉम और बीकॉम प्लेन व बीकॉम कम्प्यूटर एप्लीकेशन के कोर्स भी शुरू किए, लेकिन इनकी फीस अधिक होने के कारण चंद सालों में ही ये कोर्स बंद करना पड़े. जिसके चलते महाविद्यालय में सिर्फ कला संकाय ही बचा. जिसमें भी अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, गृह विज्ञान, अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य विषय ही संचालित होते रहे. कॉलेज प्रबंधन ने कई बार यहां कला संकाय में इतिहास और उर्दू विषय खोलने की मांग की, लेकिन जिम्मेदारों ने इस मांग को आज तक पूरा नहीं किया. जिसके चलते यहां छात्राओं की संख्या लगातार घटती चली गई.

**ग्रंथालय पर जड़ा ताला...**

महाविद्यालय में स्थायी ग्रंथपाल के रूप में सुश्री चंचल ज्ञानचंदानी की पदस्थापना की गई थी, लेकिन वे अप्रैल 2022 से लगातार बिना सूचना के अनुपस्थित हैं. जिसके कारण ग्रंथालय पर ताला जड़ा हुआ है. जिम्मेदार हर माह इनकी अनुपस्थिति की सूचना भी वरिष्ठ कार्यालय को दे रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक न तो इनकी उपस्थिति को लेकर कोई प्रयास किए, न ही महाविद्यालय में अन्य ग्रंथपाल की व्यवस्था की, जिससे ग्रंथालय संबंधी गतिविधियां रूकी हुई हैं.

### फर्स्ट ईयर में सिर्फ 17 एडमिशन...

वर्ष 2025-26 में हुए बीए फर्स्ट ईयर की बात करें, तो इस वर्ष सिर्फ 17 ही एडमिशन हुए हैं. जिसके कारण स्थिति और बद्तर हो गई है. इतने कम एडमिशन के कारण आने वाले वर्ष में यह महाविद्यालय संचालित भी होता है या नहीं, इस पर भी संशय है. कॉलेज प्रबंधन ने यहां शासन स्तर से वाणिज्य और विज्ञान संकाय शुरू करने के लिए भी अनेक बार पत्राचार किए, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकले, जिसके कारण महाविद्यालय में प्रवेश की संख्या लगातार घटती चली गई. वर्तमान की बात करें, तो यहां बीए फर्स्ट, सेकंड और थर्ड ईयर में कुल 76 छात्राएं अध्ययनरत हैं, जो कि चिंता का विषय है.

### ऑफिस स्टाफ भी नहीं है पर्याप्त...

ऑफिस स्टाफ की बात करें, तो यहां लंबे समय से मुख्य लिपिक और लेखापाल के पद खाली हैं. सहायक ग्रेड - 2 के पद पर कार्यरत जेपी माथुर जुलाई 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं. इसके बाद यह पद भी खाली हो जाएगा. वहीं सहायक ग्रेड - 3 के दो में से एक पद खाली है. चौकीदार के दो में से एक पद रिक्त है. बुक लिफ्टर, चौकीदार, स्वीपर और प्रयोगशाला परिचारक के पद भी लंबे समय से खाली पड़े हैं. शासन द्वारा इन पदों पर कोई नई नियुक्ति भी नहीं की जा रही, जिससे कॉलेज प्रबंधन की समस्या बढ़ गई हैं.

### कॉलेज में एक स्थायी प्रोफेसर, बाकी सभी अतिथि विद्वान...

कॉलेज में यूं तो सहायक प्राध्यापक के 6 पद स्वीकृत हैं, लेकिन सिर्फ अर्थशास्त्र विषय में ही स्थायी प्रोफेसर डॉ. पी. मूंदड़ा कार्यरत हैं, जिनके पास प्राचार्य का भी प्रभार है. वे भी मई 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं. इनके अतिरिक्त अन्य विषय राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र, हिंदी साहित्य और अंग्रेजी साहित्य में अतिथि विद्वान कार्यरत हैं. पिछले दिनों गृह विज्ञान विषय की अतिथि विद्वान द्वारा त्याग पत्र देने से यह पद रिक्त पड़ा है. वहीं हाल ही में अतिथि क्रीड़ा अधिकारी भी रिलोकेशन पर स्थानांतरित होकर अशोक नगर चले गए, जिसके चलते यह पद भी खाली हो गया है.

# 37वीं पुण्यतिथि पर 'रामजी' को किया नमन

**शाजापुर, 23 अक्टूबर. शहर में हिन्दू समाज को नई दिशा प्रदान करने वाले, श्री कृष्ण व्यायामशाला को पहचान देने वाले, हिंदुत्व के पुरोधा, दो मुस्लिम बालिकाओं को बचाने में प्राणों का बलिदान देने वाले स्व. चांदमल जैन रामजी की पुण्यतिथि पर गुरूवार को कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई.**

श्रीकृष्ण व्यायामशाला और रामजी चौराहा बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीकृष्ण व्यायामशाला ट्रस्ट के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व सदस्यों सहित गणमान्यजन व आमजन उपस्थित हुए और रामजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए. आयोजित कार्यक्रम संबोधित करते हुए पूर्व विधायक पुरूषोत्तम चंद्रवंशी ने कहा कि स्व. चांदमल रामजी शहर की अमूल्य धरोहर थे. जो हर धर्म और संप्रदाय को समान मानते थे और हर किसी के लिए किसी भी समय तत्पर रहते थे. उन्होंने कहा कि 7 नवंबर 1988 को धनतेरस के दिन आजाद चौक में पटाखों की दुकान मे आग लग गई थी, जिसमें दो मुस्लिम बालिकाओं को बचाने में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे. इसके चार दिन बार 11 नवंबर 1988 को भाईदूज के दिन उनका निधन हो गया था. ऐसे व्यक्तित्व को हम सभी बारंबार प्रणाम करते हैं. कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित करते हुए स्व.रामजी द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों और शहर के इतिहास की जानकारी दी. इस अवसर पर श्री कृष्ण व्यायामशाला अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास, सचिव पुरूषोत्तम चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष रूपकिशोर नवाब, ट्रस्टी तुलसीराम भावसार, अजय चंदेल, भाजपा नगर महामंत्री गोविंद नायक, बंटी सिकरवार, कैलाश मटोलिया, उमेश टेलर, दिलीप सिंदल, नीरज वैष्णव सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्तिथ रहे.

**श्रीकृष्ण व्यायामशाला में भी दी गई श्रद्धांजलि**

श्रीकृष्ण व्यायामशाला में स्व. चांदमलजी राम जी की 37वीं पुण्यतिथि पर सभी वर्ग, समाज के लोगों ने एकत्रित होकर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी. सांप्रदायिक सद्भाव की नींव रखने वाले रामजी लोगों के इतने चहेते थे कि आज भी हर वर्ग, हर समाज के अंतिम छोर का व्यक्ति भी उन्हें नहीं भुला पाता. जिसके चलते हर साल आने वाली भाई दूज पर उनकी पुण्यतिथि पर शहर के कई गणमान्य नागरिक श्रीकृष्ण व्यायामशाला पहुंचकर उन्हें याद करते हैं. भाई दूज के दिन उनकी पुण्यतिथि मनाई गई और दिनभर लोग रामजी को पुष्पांजलि अर्पित करने आते रहे.

# हेलिकाप्टर से हांककर बोमा पद्धति से 69 कृष्णमृगों को खेतों से पकड़ा

## अब तक दक्षिण अफ्रीका की कंजर्वेशन सॉल्यूशंस की टीम एवं वन विभाग की टीम द्वारा 148 हिरणों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की

**शाजापुर, 23 अक्टूबर. बोमा पद्धति से कृष्णमृगों को खेतों से पकड़ने का अभियान सफल हो रहा है, दरअसल, अब तक दक्षिण अफ्रीका की कंजर्वेशन सॉल्यूशंस की टीम एवं वन विभाग की टीम द्वारा 148 हिरणों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है. जिसमें गुरूवार को पकड़े गए 69 कृष्ण मृग शामिल हैं.**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के पालन में पश्चिमी मध्य प्रदेश के राजस्व क्षेत्र में कृष्ण मृग एवं रोजडों के खेतों को नुकसान पहुंचाने की समस्या के निदान के लिए दक्षिण अफ्रीका की कंजर्वेशन सॉल्यूशंस की टीम एवं वन विभाग की टीम द्वारा हेलीकॉप्टर और बोमा से कृष्णमृगों को पकड़ने का अभियान शुरु किया गया है. वनमंडलाधिकारी देवास एवं अभियान प्रभारी वीरेन्द्र सिंह पटेल ने बताया कि गुरूवार को शाजापुर जिले के कालापीपल तहसील के लसूड़िया घाघ एवं निपनिया खुर्द में बोमा लगाया गया. लसूड़िया कला, निपनिया खुर्द, बदरपुर, पोचनेर गांव से 69 कृष्णमृगों को किसानों के खेतों से पकड़कर गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य के जंगल में छोड़ा गया.

**फसल नुकसानी में आएगी कमी**

इस अभियान के तहत अब तक 148 कृष्णमृगों को पकड़कर अन्यत्र वन क्षेत्र में छोड़ा गया. इससे किसानों को होने वाले फसल नुकसान में कमी आएगी. इस तरह का देश में ये प्रथम अभियान है।.यह अभियान अगले 05 नवम्बर तक शाजापुर जिले में चलाया जाएगा. उल्लेखनीय है कि किसान लंबे समय से वन्य प्राणियों द्वारा उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाए जाने की शिकायतें करते आ रहे थे. वर्तमान में जो अभियान चल रहा है, इससे फसल नुकसानी के मामलों में कमी आएगी.

**जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी चलाया जाएगा अभियान**

इस अभियान में मुख्य वन संरक्षक उज्जैन एमआर बघेल द्वारा बोमा क्षेत्र में उपस्थित रहकर कृष्णमृगों को पकड़ने की कार्यवाही का निगरानी एवं पर्यवेक्षण किया. आज की कार्यवाही में शाजापुर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने पूर्ण सहयोग दिया. इसके साथ ही आसपास के ग्रामवासियों से अपील की गई हैं कि आने वाले दिनों की कार्यवाही के दौरान खेतों में जब हेलिकॉप्टर द्वारा हांका लगाया जा रहा है तो कृष्णमृगों के पीछे ना भागे. साथ ही साथ ग्रामवासियों से निवेदन है की जब अभियान चल रहा है तो आसपास के रास्तों में गाड़ियों में ना घूमे. आने वाले दिनों में यह अभियान शाजापुर जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में चलाया जाएगा. साथ ही साथ नीलगायों को भी पकड़कर अन्य वन क्षेत्रों में छोड़ा जाएगा.

### चलते-चलते पंचर हुई मोटर साइकिल, घायल हुआ परिवार

**शाजापुर, 23 अक्टूबर.** जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर रोज़वास टोल के पास गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे एक दोपहिया वाहन फिसलने से पति पत्नी और उनके दो बच्चे घायल हो गए. सभी घायलों को 1033 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल शाजापुर पहुंचाया गया. घायलों की पहचान सुनील 40, उनकी पत्नी बबली 32, बेटी रिया 8 और बेटे उमंग 12 के रूप में हुई है. यह परिवार उज्जैन से दीपावली मनाने अपने गांव सतगांव आया था और गुरुवार को सतगांव से उज्जैन लौट रहा था. रोज़वास टोल के आगे अचानक बाइक का टायर पंचर हो गया, जिससे वाहन असंतुलित होकर सड़क पर पलट गया. हादसे में सभी को मामूली चोंट आई है. सभी का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है.

### पचोर में पेमेंट मांगने पर युवक को चाकू मारा,जिला अस्पताल लाते समय हुई युवक की मौत

**शाजापुर, 23 अक्टूबर.** राजगढ़ जिले के पचोर से शाजापुर जिला अस्पताल लाए गए एक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. दरअसल युवक को पेमेंट मांगने पर चाकू मारा गया था, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था. मृतक के भाई ने बताया कि युवक ने पचोर के माजिद खां के यहां पुताई का काम किया था. जब उसने अपने काम का पेमेंट मांगा तो माजिद और उसके पिता ने जेडी मार्केट में उस पर चाकू से हमला कर दिया. घायल युवक को पहले पचोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. वहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे शाजापुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया. जिला अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर ने पुष्टि की कि फारुक नामक युवक को पचोर से गंभीर अवस्था में लाया गया था, जिसकी रास्ते में ही मौत हो चुकी थी. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.

# हर्षोल्लास से मनाया भाई, बहन के प्यार का प्रतीक भाईदूज का पर्व

**शाजापुर, 23 अक्टूबर. अंधकार से रोशनी की ओर ले जाने वाले पांच दिवसीय दीपावली पर्व का समापन रविवार को भाई बहन के पावन रिश्तों के अटूट बंधन में बांधने वाले पर्व भाई दूज के साथ हुआ.**

इस दिन बहनों ने अपने भाई के माथे पर तिलक रोली लगाई. वहीं भाईयों के मन में बहना का घर दूर हो या नजदीक इसके कोई मायने ही नहीं थे और यही कारण रहा कि भाई दूज पर बहना से मिलने के लिए भाईयों ने कई किलोमीटर की यात्रा से भी गुरेज नहीं किया और जिसे जैसा साधन मिला उसी से बहना के घर जा पहुंचा. भाई दूज पर भाई का बहन के घर जाने और बहन के घर का भोजन करने के पोराणिक महत्व के चलते गुरूवार को भाई अपनी बहनों के घर पहुंचे, जहां पहले से ही इंतजार कर रही बहनों ने भाई के माथे पर तिलक लगा कर उसके लम्बे जीवन की कामना की. भाई दूज के दिन बहन के घर जाने के लिए भाईयों ने भी पहले से तैयारी कर ली थी, कोई अलसुबह ही बहना से

मिलने निकल पड़े, तो जिनकी बहना नजदीक के शहर कस्बों के निवास करती हैं वे भोजन के समय तक बहना के घर पहुंचे. एक और जहां बहना ने भाई को तिलक लगाकर उसके जीवन की मंगल कामना की. वहीं भाई ने भी बहन को अपनी ओर से उपहार देकर अपने स्नेह भाव को प्रकट किया.

**रंगों से उकेरी मन की भावना...**

कई बहनों ने अपने भाई के अपने प्रेम की भावना को रंगों से भी उकेरा और भाई दूज पर्व की शुभकामना दी. जिसने भी इसे देखा वह बनाने वाले की तारीफ करता नजर आया.

**एक नजर में** गोपाल गौशाला में गोवर्धन पूजा व गौ पूजा हुई

# अनूठी परंपरा : गोकुल की गलियां बन गई नलखेड़ा की सड़कें

**नलखेड़ा, 23 अक्टूबर. नगर में दीपोत्सव अंतर्गत परंपरानुसार पड़वा पर गोवर्धन पूजा व पशुधन पूजा हुई. नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में पड़वा पर धूमधाम से गोवर्धन पूजा की गई. इस दिन महिलाओं ने गोबर से गोवर्धन महाराज की आकृति बनाई और फिर पूरे परिवार ने पूजा-अर्चना की.**

कई जगह अन्नकूट का आयोजन भी हुआ. इस दिन गौधन यानी गायों की पूजा का विशेष महत्व है. गोवर्धन पूजा के साथ पशुधन पूजा की परंपरा रही है. अबकी बार भी ऐसा ही हुआ. पूरे नगर ने गोकुल का रूप धरा. बैल जोड़ियों का आकर्षक श्रृंगार कर सामूहिक रूप से पूजा की गई. इस दौरान नगरवासियों का उत्साह देखते ही बना. हजारों लोग इस अद्भुत दृश्य को निहारने पहुंचे. नगर के प्रमुख चौराहों, गालियों में इस दिन उत्सवी माहौल था. ऐसा लगा मानों नलखेड़ा के मार्ग गोकुल की गालियां बन गए हों. पांच दिनी दीपावली त्यौहार के दिन पड़वा पर नगर में पशुधन और गौमाता के प्रति आस्था का परिचय देते हुए गोबर का गोवर्धन पर्वत व पशुधन का पूजन नगर के कई स्थानों पर किया गया.

### ठाकुर जी को लगाया छप्पन भोग...

किसानों ने सुबह से गौवंश को नहलाकर उनका विशेष पारंपारिक सामग्री से श्रृंगार किया. किला मैदान से कृषकों ने अपनी-अपनी बैल जोड़ियों को सजाकर सामूहिक रूप से बैंड-बाजों व ढोल-ढमाकों के साथ पूजा की व सार्वजनिक चौक बाजार से लेकर गणपति दरवाजे तक के पूरे मार्ग पर सार्वजनिक चौक समेत जुलूस मार्ग पर युवाओं व बच्चों ने जमकर आतिशबाजी की. इस दौरान सभी मार्ग पर लोगों का सैलाब दिखाई दे रहा था. वहीं नलखेड़ा नगर के गोपाल गौशाला में भी धूमधाम से गोवर्धन पूजा व गोपूजा की गई. वहीं नगर में वैष्णव पुष्टिमार्गीय परिवारों मे ठाकुर जी को छप्पन भोग का आयोजन किया गया. इसके बाद महाआरती कर अन्नकूट का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कई लोगों ने महाप्रसादी का लाभ लिया.

### नगर में निकाला गया बैलों का चल समारोह

नगर में सैकड़ों वर्षों से परंपरा चली आ रही है कि पड़वां को नगर के किसान अपने बैलों को श्रृंगारित कर उनका सामूहिक रूप से चल समारोह निकालते हैं और संपूर्ण नगर के नागरिक विशेष कर युवा सामूहिक रूप से आतिशबाजी करते हैं. बुधवार को इस परंपरानुसार बैलों का चल समारोह निकाला गया. दोपहर सांवलिया नाथ मंदिर से नलखेड़ा कस्बे के किसानों द्वारा अपने-अपने बैलों को आकर्षक रूप से श्रृंगारित कर बैंड बाजों के साथ चल समारोह प्रारम्भ किया. चल समारोह किला रोड होते हुए चौक बाजार से गणेश चौराहा पहुंचा, जहां समापन हुआ. चल समारोह के आगे आगे युवाओं द्वारा जमकर आतिशबाजी की गई.